# विद्यालयों में भूकम्प के समय सुरक्षा हेतु अभ्यास

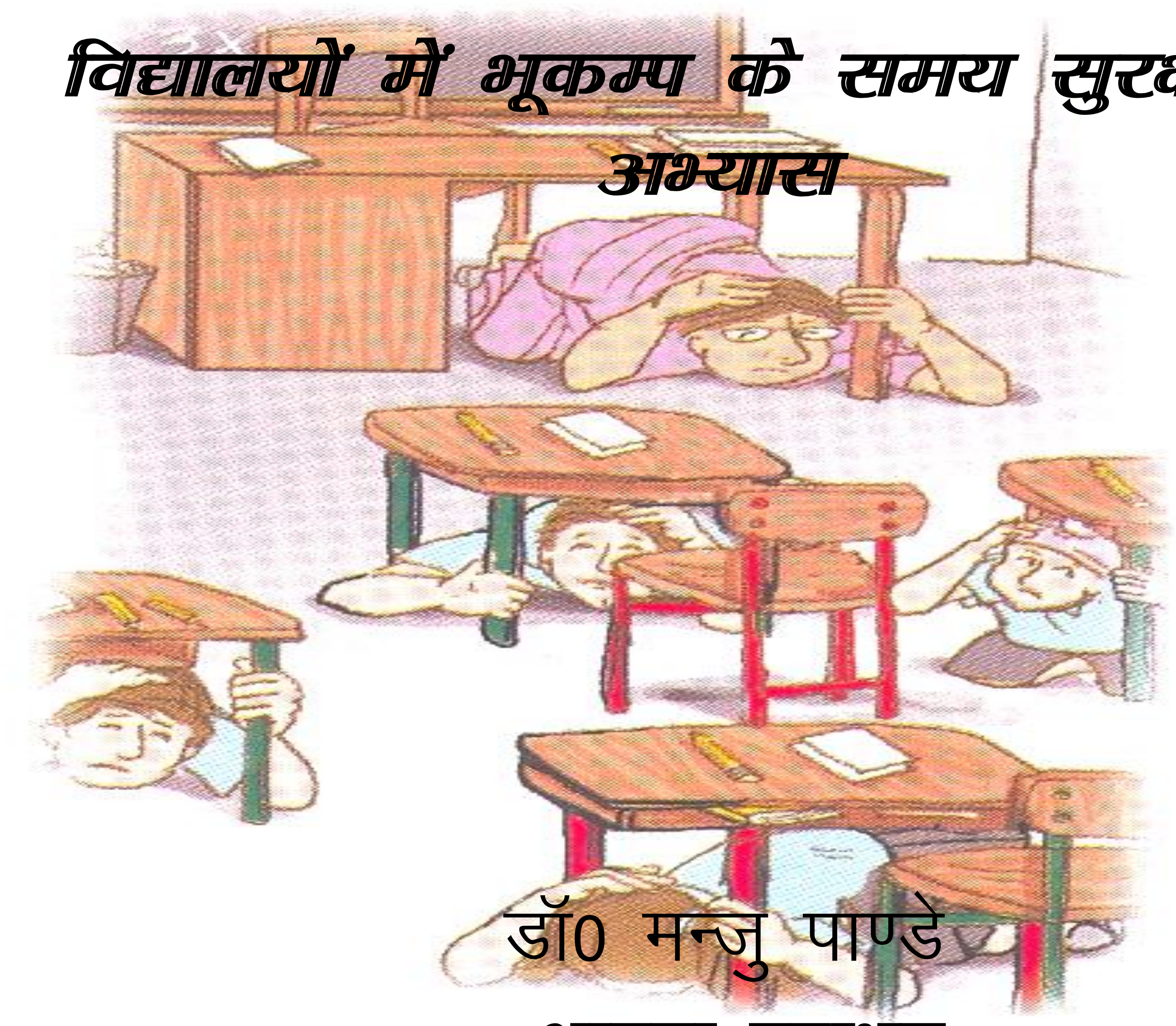

डॉ0 मन्जु पाण्डे

आपदा प्रबन्धन

भूकम्प के झटकों ने अनेकों बार मानव सभ्यताओं को तहस–नहस किया है। भूकम्पों को टाला नहीं जा सकता है और न ही इनसे सम्बन्धित पूर्व चेतावनी ही दी जा सकती हैं, इसलिए सही जानकारी, तैयारी एवं सावधानी ही मानवीय त्रासदी को कम करने का एकमात्र विकल्प हैं।

भूकम्प सोचने–समझने एवं प्रतिक्रिया करने के लिए बहुत ज्यादा समय नहीं देता इसलिए आवश्यक हो जाता है कि हमें पता हो कि भूकम्प आने पर क्या किया जाना सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक है।

# विद्यालयों में भूकम्प/आपदा के समय सुरक्षा हेतु अभ्यास (Mock Drill)

## प्राथमिक चरण :

1. विद्यालयों का निरीक्षण, अध्यापकों को Mock Drill के विषय में जानकारी एवं तत्सम्बन्धित अभ्यास का निर्धारण।

2. कार्ययोजना प्रपत्र के अनुसार विद्यालयों में अध्यापकों के सहयोग से प्रारम्भिक विवरण तैयार करना तथा विद्यालयों की सामान्य व्यवस्थाओं का आंकलन।

3. अध्यापकों के सहयोग से कक्षा में जाकर भूकम्प/आपदा की घटना की प्रकृति की जानकारी देते हुए सुरक्षापरक निर्देश एवं अनुप्रयोग प्रदान करना।

## द्वितीय चरण :

4. सम्पूर्ण विद्यालय में घंटी/सायरन/सीटी/खटखट के माध्यम से भूकम्प/आपदा की स्थिति पैदा करना।

5. अध्यापक एवं विद्यार्थियों द्वारा अनुक्रिया/तत्परता/सुरक्षात्मक कार्य जैसे –
   - डेस्क/मेज के नीचे जाना।
   - कोनों पर जाना।
   - सबसे मजबूत दीवार का सहारा लेना।
   - खतरे के कारक/स्थान से दूर रहना।
   - कोने पर शरीर को सुरक्षित रखने का अभ्यास।
   - तात्कालिक अनुक्रिया का समय 5 से 20 सेकेण्ड़ तक

## निम्न न करने योग्य कार्य जिन पर अवलोकन कर पुर्नअभ्यास किया जाये –

6. भगदड़ न हो, धैर्य एवं संयम बना रहे।
7. स्कूल/हॉल/कक्ष की स्थिति में दरवाजे पर खड़े न होवें, यद्यपि घर की स्थिति में दरवाजे/देहलीज पर खड़ा होना सुरक्षित है।
8. भारी चीजों को ऊपर न रखना/तीखी चीजों को कोनों पर न रखना।
9. प्रवेश एवं निकासी मार्ग को अवरोध रहित बनाना।

# तृतीय चरण :

10. कुछ कक्षों पर यथा स्थितिनुसार निकासी का प्रदर्शन/सीटिंग व्यवस्था में सम्यक बदलाव कर निकासी/दोनों स्थितियों में जो बेहतर हो उसका अनुकरण किया जाये।
11. कोनो एवं दीवार का सहारा लेते हुए निकासी जो खुले मैदान तक हो।
12. निकासी का मार्ग निर्धारण (अध्यापकों के सहयोग एवं विचार विमर्श से), निकासी समय 15 से 30 या 45 सेकेण्ड तक हो।
13. समय एवं कुशलता/कर्मियों को नोट किया जाये, कृत्रिम स्थिति/घायल/चोटिल/फंसने की स्थिति पैदा करते हुए सूचना प्रधानाचार्य/DEOC/ अन्य को बतायें। (अन्ततः बतायें कि यह मॉक ड्रिल है।)

टेलीफोन नम्बरों की सूची विद्यालयों में रखी जाये/विद्यालय स्तर पर संकलित एवं प्रसारित की जाये।

14. प्राथमिक सहायता तथा कैजुएल्टी कैंरिग का अभ्यास कराया जाये।

15. पूर्व तैयारी/सूचना/विवरण/कार्ययोजना का सुधार/सुझाव प्राप्त किये जायें।

- Mock Drill के दौरान के सक्रिय फोटो लिये जायें।
- First-aid बॉक्स को तैयार करने की जानकारी दी जाये।
- प्रत्येक विद्यालय में फोन नम्बर की सूची/विवरण चार्ट भरा जायें/प्रधानाचार्य के सुझाव/रजिस्टर में विवरण दर्ज किये जायें।

16. आपदा प्रबन्धन की चिरन्तरत हेतु विद्यालय स्तर पर कार्यक्रमों की सूची तैयार की जाये।

gettyimages
Barcroft Media
471352816

gettyimages
Barcroft Media
471352806

# What to do DURING an earthquake?

During Earthquake

Drop Cover Hold

During earthquakes, drop to the floor, take cover under a sturdy desk or table, and hold on to it so that it doesn't move away from you. Wait there until the shaking stops.

If you are in a structurally sound building, stay there.

If you are inside an old weak structure, take the fastest and safest way out.

Do not use elevators.

After the shaking stops, take the staircase to reach open space

If you are **not near an exit** or, you are situated in ***high-rise building/ upstairs*** stay inside. **Do not *panic;*** stay calm and take necessary action.

If you are **near an exit,** leave the building as soon as possible. ***Do not rush*** to the exit point. Get out calmly in an orderly manner.

Move away from power lines, posts, walls, false ceiling, parapet, falling flowerpots and other elements that may fall or, collapse.

Stay away from buildings with glass panes.

# Thanks